कसूर | By Rajesh Mahavar

ना जाने किस कसूर की दी है मुझे सज़ा
ज़िन्दगी यही है तो है ज़िन्दगी में क्या
बदल अगर गरज रहे बिजली से डर है क्या
ज़िन्दगी यही है तो है ज़िन्दगी में क्या

आज ये जीवन मेरा बाबा दु:ख में घिरा हुआ है
कैसे बताऊँ बाबा तुमसे कुछ ना छुपा हुआ है
रेत के जैसी मेरी ज़िन्दगी यूँ ही फिसल रही है
दु:ख ही दु:ख हैं दामन में खुशियों की बहुत कमी है
मेरे मालिक किस कसूर की दी है मुझे सजा
ज़िन्दगी यही है तो है ज़िन्दगी में क्या

रोती रही है आँखें मेरी पर औरो को हंसाया
मैं क्या जानू उनके दिल में कितना पाप समाया
आज ये जाना अपने पराये कितने बदल गए हैं
ना जाने अपने जीवन में कितने सितम सही हैं
मेरे बाबा किस कसूर की दी है मुझे स
मेरे मालिक किस कसूर की दी है मुझे सजा
ज़िन्दगी यही है तो है ज़िन्दगी में क्या

मेरे इस जीवन की बाबा बस इतनी सी कहानी
आँखों के आंसू नहीं रुकते ये कैसी ज़िंदगानी
जिसको लहू से सींचा वो परिवार उजड़ रहा है
माला टूट रही है तिनका तिनका बिखर रहा है
मेरे मालिक किस कसूर की दी है मुझे सजा
मेरे बाबा किस कसूर की दी है मुझे सजा
ज़िन्दगी यही है तो है ज़िन्दगी में क्या

जिनके लिए जीती हैं दुनिया वो भी बिखर रहे हैं
मेरी इन आँखों के सपने एक एक टूट रहे हैं
इतने बड़े जहाँ में बाबा तुमसे आस बची है
राजेश महावर की तो बाबा दुनिया तुझपे टिकी है
मेरे बाबा किस कसूर की दी है मुझे सजा
मेरे मालिक किस कसूर की दी है मुझे सजा
ज़िन्दगी यही है तो है ज़िन्दगी में क्या

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%95%e0%a4%b8%e0%a5%82%e0%a4%b0-by-rajesh-mahavar/